खेलों में हमारे देश की उपलब्धियां अन्य राष्ट्रों की तुलना में बहुत कम हैं ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा क्या विशेष योजना बनायी जा रही है; और

(ग) गांवों में रहने वाले इस क्षेत्र में प्रतिभा संपन्न व्यक्तियों के चयन तथा उन्हें इस संबंध में निवास संबंधी सुविधाएं और विशेष प्रशिक्षण देने के लिए क्या कदम उठाये जाने का विचार है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में युवा कार्यक्रम और खेल तथा महिला और बाल विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट अल्वा) : (क) से (ग) 10वें एशियाई खेलों में भारतीय दल का कार्य निष्पादन क्षेत्र में कई अन्य देशों से बेहतर रहा है । भारतीय दल ने 10वें एशियाई खेलों में भाग लेने वाले 27 देशों में से चौथे स्थान पर सबसे अधिक पदक प्राप्त किए । अन्य देशों के ऐसे भी दल थे जिन्होंने कोई भी पदक प्राप्त नहीं किया था और उनमें से कईयों ने तो कोई भी स्वर्ण पदक प्राप्त नहीं किया था । अतः य कहना उचित नहीं है कि अन्य सभी राष्ट्रों के मुकाबले में हमारे दल का कार्य-निष्पादन काफी कम था । तुलनात्मक जनसंख्या के आकार के होते हुए भी यद्यपि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारतीय खिलाड़ियों के स्तर में सुधार करने में पर्याप्त गंजाईश है और इस प्रायोजनार्थ बड़े पैमाने पर खेल तथा स्तर बढ़ाने के कार्यक्रम सातवीं पंचवर्षीय योजना में शामिल किए गए हैं । खेल छात्रावास, स्कूलों के लिए पुरस्कार राशि, प्रतिभा की खोज और पोषण, तथा भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा स्कूलों को अपनाने की योजनाएं विशेष तौर पर सुसंगत हैं । कई योजनाएं जो हाल ही में शुरु की गई हैं, से आने वाले वर्षों में अच्छे परिणामों की आशा है । ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाशालियों का पता लगाने के लिए प्रारम्भिक राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिताएं पहले से ही प्रचलित हैं और इसका प्रसार क्षेत्र और बढ़ाया जायेगा । ग्रामीण खेल केन्द्रों और नेहरु युवा केन्द्रों के जरिये ग्रामीण खेलों के विकास की प्रक्रिया में और सहायता मिलने की आशा है । इस प्रकार पता लगाए गए अपेक्षित स्तर के प्रतिभावान ग्रामीण खिलाड़ी खेल छात्रावासों की योजना के लाभों के लिए भी पात्र होंगे । जिसमें आवासीय सुविधाएं तथा विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था है ।

Pune Airport

284. SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT:
SHRI SURESH KALMADI:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) the period for which the Pune airport is likely to remain closed for repairs;

(b) whether it will be possible for Beeings to land upto 9.00 a.m. after the revamping of the main runway at the Pune airport;

(c) whether runway is being extended to make Pune airport an alternative for diversion of international flights in case of bad weather over Bombay; and

(d) whether there are adequate arrangements at Pune airport for Delhi-Bombay flights?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) The main runway at Pune is being resurfaced by the Defence authorities because of which it will not be available for operations for about nine months. The secondary runway would, however, be available for aircraft (HS-748) operations by the Indian Airlines

(b) Yes, Sir. It is technically feasible.

(c) No, Sir.

(d) Yes, Sir.